NATIONAL SERVICE SCHEME

(NSS UNIT ACTIVITIES-2025)

COLLEGE OF VETERINARY SCIENCE&AH

(NDVSU), KUTHULIYA, REWA (M.P.)

MOTTO OF NSS

"NOT ME BUT YOU"

"स्वयं से पहले आप"

1.नशा मुक्ति जागरूकता अभियान

नशा मुक्ति संकल्प

नशामुक्ति जागरूकता अभियान कार्यक्रम

नशा छोड़ने दृढ़ इच्छाशक्ति जरूरी

रीवा @ पत्रिका. आरोग्य भारती महाकौशल प्रांत की जिला इकाई ने पशुपालन महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में नशामुक्ति पर संगोष्ठी का आयोजन किया। इस मौके पर कॉलेज के अधिष्ठाता डॉ. अजीत प्रताप सिंह ने कहा कि नशा छोड़ने के लिए दृढ़ इच्छाशक्ति और आत्मनियंत्रण की जरूरत है। उन्होंने समाज में सकारात्मक भूमिका निभाने पे बल दिया। डॉ. सिंह ने कहा कि नशा न केवल व्यक्तिगत जीवन को प्रभावित करता है, बल्कि पूरे परिवार और समाज के लिए घातक होता है। कार्यक्रम में सभी प्रतिभागियों को नशामुक्त जीवन की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता डॉ. अमरेन्द्र सिंह मनोरोग विशेषज्ञ ने बताया कि नशा एक बीमारी है, जिसका इलाज संभव है। इस अवसर पर डॉ. विवेक सिंह, डॉ. बीके ओझा, डॉ. स्वतंत्र सिंह सहित शिक्षक और छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

नशा एक बीमारी है, जिसका इलाज संभव

वेटरनरी कॉलेज में छात्रों दिलाई नशा मुक्ति की शपथ

जागरण, रीवा। पशु चिकित्सा विज्ञान एवं पशुपालन महाविद्यालय में गुरुवार को नशा मुक्ति जागरूकता अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से महाविद्यालय के छात्रों, कर्मचारियों एवं संकाय सदस्यों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करना एवं उन्हें नशामुक्त समाज के निर्माण की दिशा में प्रेरित करना था। महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ अजीत प्रताप सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि नशा छोड़ने के लिए दृढ़ इच्छाशक्ति, आत्मनियंत्रण एवं समाज में सकारात्मक भूमिका निभाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि नशा न केवल व्यक्तिगत जीवन को प्रभावित करता है, बल्कि पूरे परिवार एवं समाज के लिए घातक सिद्ध होता है। इस दौरान सभी प्रतिभागियों को नशामुक्त जीवन की शपथ भी दिलाई गई। कार्यक्रम के तकनीकी सत्र में आमंत्रित विशेषज्ञ डॉ. अमरेन्द्र सिंह, सहायक प्राध्यापक मेडिकल कॉलेज ने नशा मुक्ति के उपाय, मनोवैज्ञानिक परामर्श की भूमिका एवं नशे से संबंधित शारीरिक, मानसिक और सामाजिक प्रभावों पर विचार रखे। उन्होंने बताया कि नशा एक बीमारी है, जिसका इलाज संभव है, बशर्ते व्यक्ति स्वयं बदलाव के लिए तैयार हो। कार्यक्रम में डॉ विवेक सिंह, जिला प्रमुख आरोग्य भारती, विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. बी. के. ओझा ने स्वागत भाषण देते हुये नशा मुक्ति अभियान के संबंध में जानकारी प्रदान की।

नशा एक बीमारी है, जिसका इलाज संभव

स्टार समाचार | रीवा

पशुचिकित्सा विज्ञान एवं पशुपालन महाविद्यालय में गुरुवार को नशामुक्ति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महाविद्यालय के छात्रों, कर्मचारियों एवं संकाय सदस्यों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करना एवं उन्हें नशामुक्त समाज के निर्माण की दिशा में प्रेरित करना था। कार्यक्रम के शुभारंभ में महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. अजीत प्रताप सिंह ने अपने संबोधन में नशा छोड़ने के लिए दृढ़ इच्छाशक्ति, आत्मनियंत्रण एवं समाज में सकारात्मक भूमिका निभाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि नशा न केवल व्यक्तिगत जीवन को प्रभावित करता है, बल्कि पूरे परिवार एवं समाज के लिए घातक सिद्ध होता है। कार्यक्रम में अधिष्ठाता महोदय द्वारा सभी प्रतिभागियों को नशामुक्त जीवन की शपथ भी दिलाई गई।

कार्यक्रम के तकनीकी सत्र में आमंत्रित विशेषज्ञ डॉ. अमरेन्द्र सिंह, सहायक प्राध्यापक मेडिकल कालेज, रीवा ने नशा मुक्ति के उपाय, मनोवैज्ञानिक परामर्श की भूमिका एवं नशे से संबंधित शारीरिक, मानसिक और सामाजिक प्रभावों पर विचार रखे। उन्होंने बताया कि नशा एक बीमारी है, जिसका इलाज संभव है। बशर्ते व्यक्ति स्वयं बदलाव के लिए तैयार हो। कार्यक्रम में डॉ. विवेक सिंह, जिला प्रमुख आरोग्य भारती विशिष्ठ अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. बी.के. ओझा ने स्वागत भाषण दिया। कार्यक्रम का संचालन संयोजक डॉ. अनिल कुमार सिंह ने किया। डॉ. सोमेश कुमार मेश्राम द्वारा आयोजकों, प्रतिभागियों एवं दर्शकों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम में डॉ. स्वतंत्र कुमार सिंह, डॉ. नीरज श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

2. विकसित भारत-2047: एक दिवशीय कार्यशाला

One Day Workshop
on
Viksit Bharat 2047

'विकसित भारत 2047' विषय पर हुई कार्यशाला

जागरण, रीवा। नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय जबलपुर के कुलगुरु प्रो. डॉ. मनदीप शर्मा के मार्गदर्शन व महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. अजीत प्रताप सिंह के दिशा निर्देशन में बुधवार को सेवा पखवाड़ा अभियान के अंतर्गत एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। उक्त अभियान में आमजन की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करते हुए सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास एवं सबका प्रयास तथा वोकल फॉर लोकल भावना को सशक्त करना है। इस दौरान सर्वप्रथम छात्रों द्वारा निबंध प्रतियोगिता में हिस्सा लिया गया। इसके उपरान्त वाद विवाद स्पर्धा का आयोजन किया गया जिसमें विद्यार्थियों द्वारा विकसित भारत 2047 के लिए विज्ञान एवं अध्यात्म की भूमिका पर मंथन किया गया। इसके अलावा तकनीकी सत्र में मुख्य अतिथि प्रो. उत्तम द्विवेदी, शासकीय अभियांत्रिकी महावि. द्वारा विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया गया। महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. अजीत प्रताप सिंह ने विद्यार्थियों को विकसित भारत 2047 के संबंध में जीवन में अनुशासन, एकता, अखंडता एवं कठिन परिश्रम कर देश को आगे बढ़ाने की बात कही। कार्यशाला का आयोजन डॉ. स्वतंत्र सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉ. शैलन्द्र सिंह, डॉ. अमित कुमार झा, डॉ. अंशुकिरण निरंजन, डॉ. अभिलाषा सिंह, डॉ. राजकुमार पटेल, सजसंपर्क अधिकारी डॉ. बीके ओझा सहित विद्यार्थी उपस्थित रहे। संचालन डॉ. श्रुति पाण्डेय व नीलम टांडिया द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

3. रक्तदान शिविर

COLLEGE OF VETERINARY SCIENCE AND
ANIMAL HUSBANDRY, REWA 486001 (MP)
रक्तदान महादान है,
रक्तदान कर मानव जीवन बचाने वाले समस्त रक्तदाताओं का
हार्दिक आभार एवं अभिनंदन।
BLOOD DONATION CAMP
2nd September 2025
SERVE HUMANITY
RED CROSS
राष्ट्रीय सेवा योजना
NATIONAL SERVICE SCHEME
आरोग्य भारती

BLOOD DONATION CAMP
आरोग्य भारती

BLOOD DONATION CAMP

BLOOD DONATION CAMP
OPPO A55s

A55s 5G

रक्तदान शिविर
"NOT ME BUT YOU"
COLLEGE OF VETERINARY SCIENCE
& ANIMAL HUSBANDRY, REWA
NSS UNIT

रक्तदान शिविर
ब्लड सेन्टर
"NOT ME BUT YOU"
COLLEGE OF VETERINARY SCIENCE
& ANIMAL HUSBANDRY, REWA
NSS UNIT
OPPO A53s 5G

"NOT ME BUT YOU"
OPPO A53s 5G

रक्तदान जीवन का सबसे बड़ा उपहार है: हरिनारायण

स्टार समाचार। रीवा

■ पशुचिकित्सा महाविद्यालय में शिविर का हुआ आयोजन

पशुचिकित्सा विज्ञान एवं पशुपालन महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई, रेडक्रॉस सोसाइटी एवं आरोग्य भारती जिला इकाई के संयुक्त तत्वावधान में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन मंगलवार को किया गया। शिविर में मुख्य अतिथि हरिनारायण, विशिष्ट अतिथि राजेन्द्र प्रसाद पाण्डेय, सचिव रेडक्रास सोसाइटी एवं विकास मिश्रा, उपस्थित रहे। कार्यक्रम की पशु चिकित्सा महाविद्यालय के अध्यक्षता डॉ. अजीत प्रताप सिंह ने की।

रक्तदान शिविर का शुभारंभ अतिथियों द्वारा भगवान धनवन्त्री की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पुष्प अर्पित कर किया गया। इस अवसर पर अधिष्ठाता ने कहा कि रक्तदान एक महादान है, जो जीवन बचाने के साथ-साथ समाज में सेवा एवं सहयोग की भावना को भी प्रोत्साहित करता है। उन्होंने महाविद्यालय परिवार के सभी संकाय सदस्यों, कर्मचारियों एवं छात्र-छात्राओं से अधिक से अधिक संख्या में इस पुनीत कार्य में भाग लेने का आह्वान किया। नियमित रक्तदान से न केवल मरीजों को नया जीवन मिलता है, बल्कि दाता के स्वास्थ्य पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। विशिष्ट अतिथि राजेन्द्र प्रसाद पाण्डेय ने कहा कि रक्तदान ऐसा पुण्य कार्य है जो जीवन बचाने के साथ-साथ समाज में सहयोग, सद्भावना और मानवता के मूल्यों को मजबूत करता है। शिविर में महाविद्यालय के अधिष्ठाता प्राध्यापक डॉ. शैलेन्द्र सिंह, डॉ. अनुराधा नेमा, डॉ. स्वतंत्र कुमार सिंह एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं, कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक रक्तदान किया। चिकित्सा दल द्वारा सुरक्षित एवं चिकित्सकीय प्रक्रिया के तहत कुल 35 यूनिट रक्त एकत्रित किया। शिविर में डॉ. अनिल कुमार सिंह, डॉ. अमित कुमार झा, डॉ. राजकुमार पटेल, स्मृति पाण्डेय, डॉ. निशा कुशवाह एवं जनसंपर्क अधिकारी डॉ. बीके ओझा उपस्थित रहें।

सार-समाचार

पशुचिकित्सा महाविद्यालय में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन

रीवा। पशुचिकित्सा विज्ञान एवं पशुपालन महाविद्यालय, रीवा में महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई, रेडक्रॉस सोसाइटी, रीवा एवं आरोग्य भारती जिला इकाई रीवा के संयुक्त तत्वावधान में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन दिनांक 2 सितम्बर 2025 को प्रातः 11 बजे महाविद्यालय परिसर में आयोजित किया गया। इस शिविर में मुख्य अतिथि हरिनारायण , विभाग प्रचारक– राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ, रीवा, विशिष्ट अतिथि राजेन्द्र प्रसाद पाण्डेय , सचिव रेडक्रास सोसाइटी, रीवा एवं संयोजक प्रतिनिधि एडवोकेट विकास मिश्रा, प्रांत सह सचिव, आरोग्य भारती उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. अजीत प्रताप सिंह, अधिष्ठाता, पशुचिकित्सा विज्ञान एवं पशुपालन महाविद्यालय, रीवा ने की। रक्तदान शिविर का शुभारंभ अतिथियों द्वारा भगवान धनवन्त्री की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पुष्प अर्पित कर किया गया। इस अवसर पर अधिष्ठाता ने अपने उद्बोधन में कहा कि रक्तदान एक महादान है, जो जीवन बचाने के साथ–साथ समाज में सेवा एवं सहयोग की भावना को भी प्रोत्साहित करता है। उन्होंने महाविद्यालय परिवार के सभी संकाय सदस्यों, कर्मचारियों एवं छात्र–छात्राओं से अधिक से अधिक संख्या में इस पुनीत कार्य में भाग लेने का आह्वान किया। अधिष्ठाता ने आगे कहा कि नियमित रक्तदान से न केवल मरीजों को नया जीवन मिलता है, बल्कि दाता के स्वास्थ्य पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। ऐसे आयोजन न केवल मानवीय संवेदनाओं को जागृत करते हैं बल्कि समाज में उत्तरदायित्व निभाने की प्रेरणा भी प्रदान करते हैं।

मुख्य अतिथि हरिनारायण ने कहा रक्तदान जीवन का सबसे बड़ा उपहार है। यह न केवल किसी जरूरतमंद की जान बचाता है, बल्कि समाज में भाईचारे और मानवता की भावना को भी मजबूत करता है। आज यहाँ उपस्थित महाविद्यालय परिवार ने जिस उत्साह से इस अभियान को सफल बनाया है, वह पूरे क्षेत्र के लिए एक आदर्श उदाहरण है। प्रत्येक नागरिक को यह दायित्व निभाना चाहिए कि समय–समय पर रक्तदान कर मानव सेवा में अपना योगदान दे। विशिष्ट अतिथि राजेन्द्र प्रसाद पाण्डेय ने कहा कि रक्तदान ऐसा पुण्य कार्य है जो जीवन बचाने के साथ–साथ समाज में सहयोग, सद्भावना और मानवता के मूल्यों को मजबूत करता है एवं राष्ट्र की किसी भी आपदा एवं संकट में हमारे द्वारा किया गया रक्तदान दूसरों के लिये जीवनदायी होता है। आज यहाँ महाविद्यालय परिवार द्वारा दिखाया गया उत्साह आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का काम करेगा। शिविर में महाविद्यालय के अधिष्ठाता ग , प्राध्यापक डॉ. शैलेन्द्र सिंह, डॉ. अनुराधा नेमा, डॉ. स्वतंत्र कुमार सिंह एवं बड़ी संख्या में छात्र–छात्राओं, कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक रक्तदान किया। चिकित्सा दल द्वारा सुरक्षित एवं चिकित्सकीय प्रक्रिया के तहत कुल 35 यूनिट रक्त एकत्रित किया। यह रक्त सुरक्षित रूप से रेडक्रॉस सोसाइटी, रीवा को हस्तांतरित किया गया जिससे अस्पतालों और आपातकालीन सेवाओं को सहायता मिल सके। शिविर के दौरान रक्तदाताओं को रेडक्रास सोसायटी द्वारा प्रमाणपत्र के साथ स्वल्पाहार एवं आरोग्य भारती द्वारा उपहार प्रदान किया गया। शिविर में डॉ. अनिल कुमार सिंह, डॉ. अमित कुमार झा, डॉ. राजकुमार पटेल, स्मृति पाण्डेय, डॉ. निशा कुशवाह एवं जनसंपर्क अधिकारी डॉ. बी. के. ओझा उपस्थित रहें रक्तदान शिविर का संचालन डॉ. अजीत सिंह एवं धन्यवाद ज्ञापन राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रभारी डॉ. स्वतंत्र कुमार सिंह द्वारा किया गया। उन्होंने इस रक्तदान शिविर की सफलता में योगदान देने वाले सभी सम्मानित अतिथियों, रक्तदाताओं, शिक्षकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया।

4. संविधान दिवस

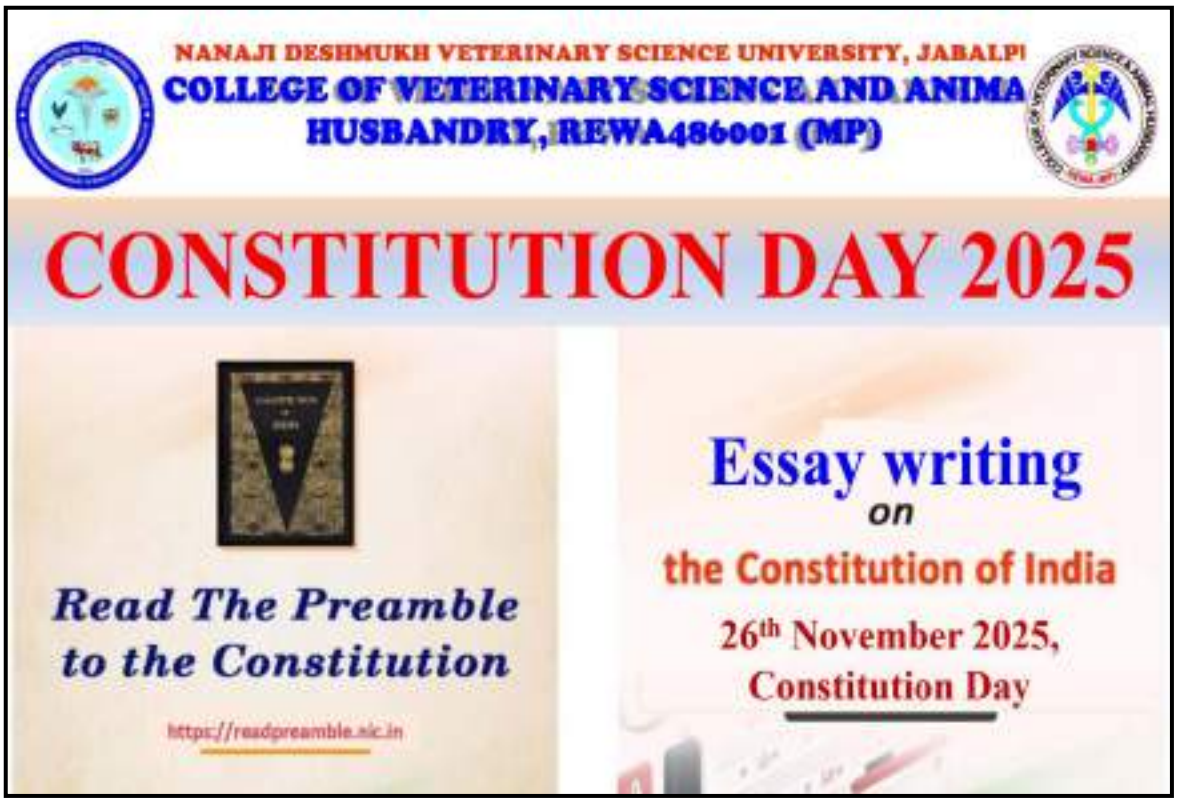
NANAJI DESHMUKH VETERINARY SCIENCE UNIVERSITY, JABALPU
COLLEGE OF VETERINARY SCIENCE AND ANIMA
HUSBANDRY, REWA486001 (MP)
CONSTITUTION DAY 2025
Read The Preamble
to the Constitution
https://readpreamble.nic.in
Essay writing
on
the Constitution of India
26th November 2025,
Constitution Day

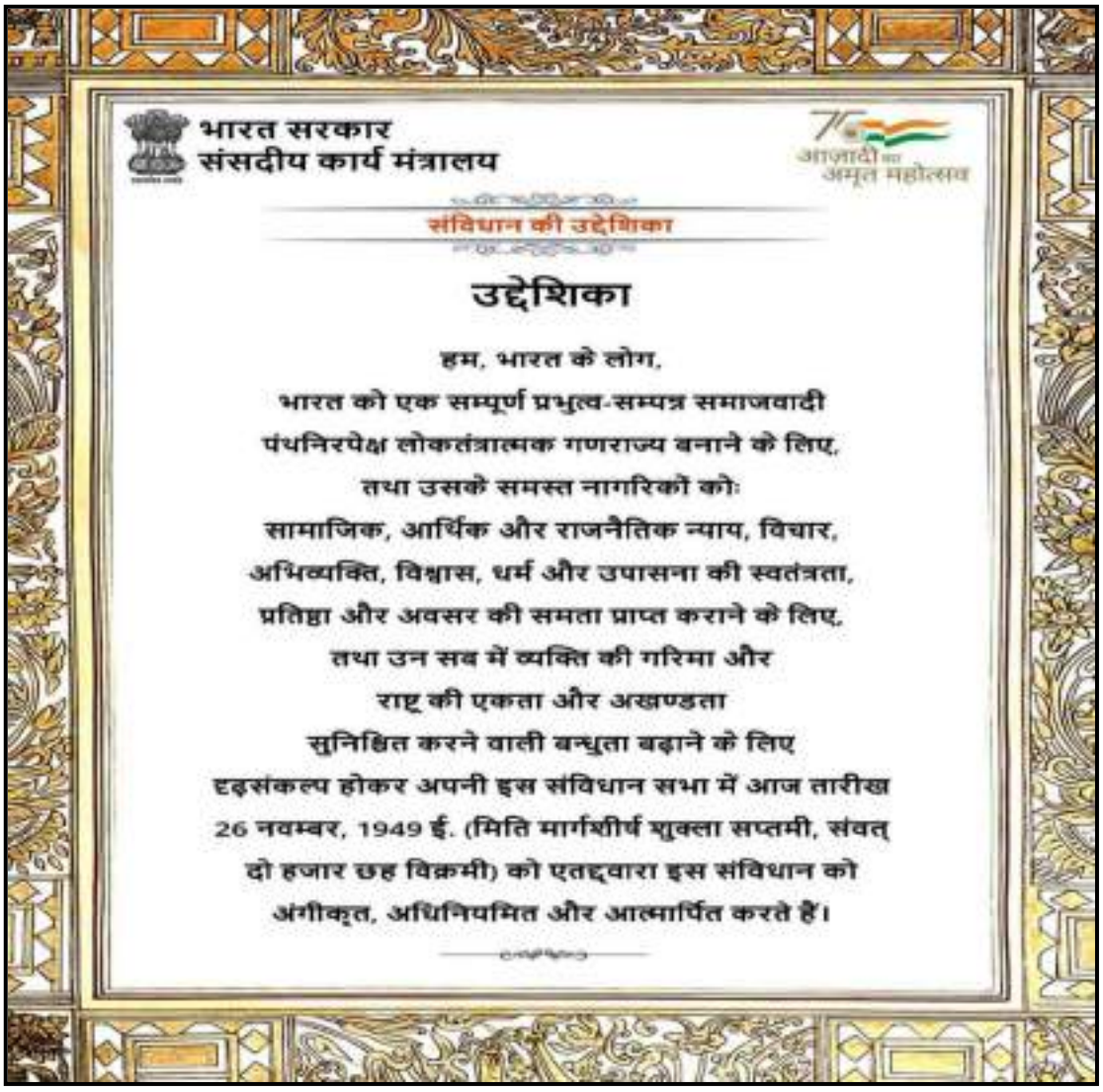
भारत सरकार
संसदीय कार्य मंत्रालय
आज़ादी का अमृत महोत्सव
संविधान की उद्देशिका
उद्देशिका
हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-सम्पन्न समाजवादी
पंथनिरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए,
तथा उसके समस्त नागरिकों को:
सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक न्याय, विचार,
अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता,
प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए,
तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और
राष्ट्र की एकता और अखण्डता
सुनिश्चित करने वाली बन्धुता बढ़ाने के लिए
दृढ़संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख
26 नवम्बर, 1949 ई. (मिति मार्गशीर्ष शुक्ला सप्तमी, संवत्
दो हजार छह विक्रमी) को एतद्द्वारा इस संविधान को
अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

N.D.V.S.U., JABALPUR (M.P)
"NOT ME BUT YOU"
NSS UNIT

संविधान में मौलिक अधिकार नागरिकों की ढाल

पशुचिकित्सा विज्ञान एवं पशुपालन महाविद्यालय में संविधान की 76 वीं वर्षगाँठ मनाई गई। कार्यक्रम में अधिष्ठाता डॉ. अजीत प्रताप सिंह, वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. आलोक कुमार दीक्षित मुख्य रूप से मौजूद रहे। बताया कि 26 नवंबर स्वतंत्र भारत के लिए एक बहुत ही खास दिन है, क्योंकि इसी दिन देश की संविधान सभा ने वर्तमान संविधान को विधिवत रूप से अपनाया था। संविधान में मौलिक अधिकार नागरिकों की ढाल बन गए हैं, जबकि मौलिक कर्तव्य हमें हमारे दायित्वों की याद दिलाते हैं। भारतीय संविधान को बनाए जाने में संविधान सभा को 167 दिन लगे जिसके लिए 11 सत्र आयोजित किए गए। अपने मूल रूप में भारतीय संविधान में 395 अनुच्छेद, 22 खण्ड और 8 अनुसूचियां हैं। कार्यक्रम का संचालन डॉ. बीके ओझा एवं डॉ. अनिल कुमार सिंह ने किया।

5. विधिक साक्षरता शिविर एवं विश्व पर्यावरण दिवस

स्वास्थ्य जागरूकता अभियान

वृक्षारोपण
कार्यक्रम
"NOT ME BUT YOU"
NSS UNIT

6. पार्थिनियम जागरूकता सप्ताह

7. राष्ट्रीय एकता दिवस

STATUE OF UNITY

राष्ट्रीय एकता दिवस 31 अक्टूबर

लौह पुरुष सरदार श्री वल्लभ भाई पटेल जी की 150वीं जयंती पर भारत सरकार

एकता दिवस शपथ

मैं सत्यनिष्ठा से शपथ लेता हूँ कि मैं राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा को बनाए रखने के लिए स्वयं को समर्पित करूंगा और अपने देशवासियों के बीच यह संदेश फैलाने का भी भरसक प्रयत्न करूंगा। मैं यह शपथ अपने देश की एकता की भावना से ले रहा हूँ जिसे सरदार वल्लभभाई पटेल की दूरदर्शिता एवं कार्यों द्वारा संभव बनाया जा सका। मैं अपने देश की आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अपना योगदान करने का भी सत्यनिष्ठा से संकल्प करता हूँ।

WALK RUN *for* UNITY *in* DIVERSITY

8. कैनाइन ऑप्थल्मोलोजी विषय पर कार्यशाला

वेटरनरी कॉलेज में हुई एक दिवसीय कार्यशाला

स्टार समाचार | रीवा

नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर के अंतर्गत संचालित पशुचिकित्सा विज्ञान एवं पशुपालन महाविद्यालय, बुधवार को कुत्तों में होने वाले सामान्य नेत्र रोग एवं उनका चिकित्सीय प्रबंधन विषय पर एक दिवसीय चिकित्सीय कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया।

यह कार्यशाला कुलगुरु प्रो. मनदीप शर्मा के मुख्य संरक्षण में तथा अधिष्ठाता डॉ. अजीत प्रताप सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई। उपरोक्त कार्यशाला में महाविद्यालय के चतुर्थ वर्ष, इंटर्नशिप, एवं स्नातकोत्तर के छात्र एवं छात्राओं द्वारा सहभागिता की गई। कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर अध्यक्षीय संबोधन में अधिष्ठाता डॉ. अजीत प्रताप सिंह ने कहा कि वर्तमान समय में पालतू पशुओं, विशेषकर कुत्तों में नेत्र संबंधी रोगों की संख्या में वृद्धि देखी जा रही है। ऐसे में पशु चिकित्सकों के लिए नेत्र रोगों की पहचान, निदान एवं उपचार संबंधी अद्यतन ज्ञान अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने इस प्रकार की कार्यशालाओं को व्यावहारिक ज्ञान अर्जन हेतु उपयोगी बताया। कार्यशाला के तकनीकी सत्र में अतिथि वक्ता डॉ. नरेंद्र चौहान, पशु नेत्र विज्ञान विशेषज्ञ ने कुत्तों एवं बिल्लियों में पाए जाने वाले सामान्य नेत्र रोगों, उनकी पहचान, आधुनिक जांच विधियों एवं उपचार प्रबंधन पर विस्तृत व्याख्यान दिया। उन्होंने नेत्र परीक्षण की विभिन्न तकनीकों, उपकरणों के प्रयोग तथा उपचार में सावधानियों पर भी प्रकाश डाला। प्रतिभागियों को व्यावहारिक दृष्टांतों के माध्यम से नेत्र रोगों के सफल प्रबंधन की जानकारी दी गई। कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों के बीच पशु नेत्र विज्ञान के प्रति जागरूकता बढ़ाना एवं उनके व्यावसायिक कौशल को सुदृढ़ करना रहा। कार्यक्रम के अंत में अतिथि वक्ता डॉ. नरेंद्र चौहान ने दो स्नातक के छात्र, दो शल्य चिकित्सा स्नात्कोत्तर के छात्र एवं दो मेडिसिन के स्नात्कोत्तर के छात्रों को निःशुल्क इंटर्नशिप प्रदान की जायेगी। कार्यक्रम के आयोजक सचिव, डॉ. स्वतंत्र कुमार सिंह, सह आयोजक सचिव डॉ. शैलेन्द्र सिंह, डॉ. नीलम टांडिया, समन्वयक डॉ. धमेन्द्र कुमार, डॉ. राजीव रंजन, सह समन्वयक डॉ. अनिल कुमार सिंह, डॉ. सोमेश कुमार मेश्राम, डॉ. शैलेष कुमार पटेल एवं सदस्य के रूप में डॉ. अभिलाषा सिंह, डॉ. अंकुश किरण निरंजन, डॉ. प्रिया सिंह एवं डॉ. श्रुति पाण्डेय उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. श्रुति पाण्डेय एवं आभार प्रदर्शन डॉ. नीलम टांडिया द्वारा किया गया।

कॉलेज में एक दिवसीय चिकित्सीय कार्यशाला का किया गया आयोजन

● रीवा / राज न्यूज नेटवर्क

नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर के अंतर्गत संचालित पशुचिकित्सा विज्ञान एवं पशुपालन महाविद्यालय, रीवा में दिनांक 24 दिसम्बर 2025 को कुत्तों में होने वाले सामान्य नेत्र रोग एवं उनका चिकित्सीय प्रबंधन विषय पर एक दिवसीय चिकित्सीय कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यशाला माननीय कुलगुरु प्रो. (डॉ.) मनदीप शर्मा के मुख्य संरक्षण में तथा अधिष्ठाता डॉ. अजीत प्रताप सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई। उपरोक्त कार्यशाला में महाविद्यालय के चतुर्थ वर्ष, इंटर्नशिप, एवं स्नात्कोत्तर के छात्र एवं छात्राओं द्वारा सहभागिता की गई। कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर अध्यक्षीय संबोधन में अधिष्ठाता डॉ. अजीत प्रताप सिंह ने कहा कि वर्तमान समय में पालतू पशुओं, विशेषकर कुत्तों में नेत्र संबंधी रोगों की संख्या में वृद्धि देखी जा रही है। ऐसे में पशु चिकित्सकों के लिए नेत्र रोगों की पहचान, निदान एवं उपचार संबंधी अद्यतन ज्ञान अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने इस प्रकार की कार्यशालाओं को व्यावहारिक ज्ञान अर्जन हेतु उपयोगी बताया। कार्यशाला के तकनीकी सत्र में अतिथि वक्ता डॉ. नरेंद्र चौहान, पशु नेत्र विज्ञान विशेषज्ञ ने कुत्तों एवं बिल्लियों में पाए जाने वाले सामान्य नेत्र रोगों, उनकी पहचान, आधुनिक जांच विधियों एवं उपचार प्रबंधन पर विस्तृत व्याख्यान दिया। उन्होंने नेत्र परीक्षण की विभिन्न तकनीकों, उपकरणों के प्रयोग तथा उपचार में सावधानियों पर भी प्रकाश डाला। प्रतिभागियों को व्यावहारिक दृष्टांतों के माध्यम से नेत्र रोगों के सफल प्रबंधन की जानकारी दी गई। कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों के बीच पशु नेत्र विज्ञान के प्रति जागरूकता बढ़ाना एवं उनके व्यावसायिक कौशल को सुदृढ़ करना रहा। कार्यक्रम के अंत में अतिथि वक्ता डॉ. नरेंद्र चौहान ने दो स्नातक के छात्र, दो शल्य चिकित्सा स्नात्कोत्तर के छात्र एवं दो मेडिसिन के स्नात्कोत्तर के छात्रों को निःशुल्क इंटर्नशिप प्रदान की जायेगी। कार्यक्रम के आयोजक सचिव, डॉ. स्वतंत्र कुमार सिंह, सह आयोजक सचिव डॉ. शैलेन्द्र सिंह, डॉ. नीलम टांडिया, समन्वयक डॉ. धमेन्द्र आदि रहे मौजूद।

9. आजादी का अमृत महोत्सव:
तिरंगा जागरूकता अभियान

OPPO A53s 5G

OPPO A53s 5G

"NOT ME BUT YOU"
NSS UNIT

10. राष्ट्रीय युवा दिवस

SWAMI VIVEKANAND BIRTH ANNIVERSARY
(NATIONAL YOUTH DAY)
"RUN FOR SWADESHI"
12th January 2026

जय स्वदेशी
जय-जय स्वदेशी

BRC
END OF SEASON SALE

● रीवा / राज न्यूज़ नेटवर्क

राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर स्वामी विवेकानंद की जयंती को चिह्नित करते हुए दिनांक 12 जनवरी 2026 को पशुचिकित्सा विज्ञान एवं पशुपालन महाविद्यालय, रीवा द्वारा रन फॉर स्वदेशी कार्यक्रम के अंतर्गत एक भव्य एवं उत्साहपूर्ण रैली का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर के माननीय कुलगुरु प्रो. (डॉ.) मनदीप शर्मा के मार्गदर्शन एवं महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. अजीत प्रताप सिंह के दिशा-निर्देशन में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ रन फॉर स्वदेशी कार्यक्रम के अंतर्गत एक मैराथन दौड़ को आयोजित कर किया गया। यह दौड़ महाविद्यालय के मुख्य भवन से प्रारंभ होकर कुठुलिया तिराहे तक गई तथा वहाँ से पुनः महाविद्यालय के प्रारंभिक बिंदु पर संपन्न हुई। यह आयोजन युवाओं में स्वदेशी भावना, स्फूर्ति एवं शारीरिक स्फूर्ति के प्रति जागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक सार्थक पहल सिद्ध हुआ। इस मैराथन दौड़ में महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं, अधिकारियों, कर्मचारियों तथा एन.एस.एस./एन.सी.सी. स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक बढ़-चढ़कर सहभागिता की, जिससे कार्यक्रम में विशेष ऊर्जा एवं जनभागीदारी का वातावरण बना। इसके पश्चात, रीवा शहर में एक रैली आयोजित की गई जिसका शुभारंभ शिल्पी प्लाजा के पीछे स्थित शिव मंदिर से हुआ, जो मढ़ी मंदिर, शिल्पी प्लाजा, सर्किट भवन एवं कॉलेज चौराहा होते हुए स्वामी विवेकानंद पार्क तक पहुँची।

रैली के दौरान निर्धारित मार्ग पर देशभक्ति, स्वदेशी अपनाने, आत्मनिर्भरता एवं सामाजिक चेतना से संबंधित नारों के माध्यम से जोड़ा गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं में स्वामी विवेकानंद के विचारों एवं आदर्शों को आत्मसात कराना, स्वदेशी उत्पादों के उपयोग को बढ़ावा देना तथा आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को सशक्त करना रहा। इस रैली में महाविद्यालय के अधिष्ठाता, प्राध्यापकगण, कर्मचारीगण, बड़ी संख्या में एन.एस.एस. स्वयंसेवक/स्वयंसेविका तथा एनसीसी कैडेट्स सहित लगभग 250 प्रतिभागियों ने सहभागिता की। सभी प्रतिभागियों ने अनुशासित ढंग से रैली में भाग लेते हुए स्वामी विवेकानंद के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का सार्थक प्रयास किया।

कार्यक्रम के समापन अवसर पर अधिष्ठाता महोदय ने सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि राष्ट्रीय युवा दिवस केवल एक आयोजन मात्र नहीं है, बल्कि यह युवाओं को राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित करने का एक सशक्त अवसर है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र के स्वावलंबन के लिए स्वदेशी अपनाना अति आवश्यक है। यह केवल एक विचार नहीं, बल्कि हमारे राष्ट्रीय दायित्व का स्पष्ट आह्वान है। स्वदेशी का अर्थ है अपने संसाधनों, ज्ञान, श्रम और प्रतिभा पर विश्वास। जब हम स्वदेशी उत्पादों, तकनीकों और सेवाओं को प्राथमिकता देते हैं, तब हम न केवल आर्थिक रूप से सशक्त होते हैं, बल्कि आत्मनिर्भर राष्ट्र के निर्माण में भी सक्रिय भूमिका निभाते हैं। अधिष्ठाता महोदय ने विद्यार्थियों, शिक्षकों, कर्मचारियों तथा समस्त सहभागियों से आग्रह किया कि वे दैनिक जीवन से लेकर शैक्षणिक एवं प्रशासनिक कार्यों तक स्वदेशी विकल्पों को अपनाने का संकल्प लें। यह संकल्प राष्ट्र को स्वावलंबी, सशक्त एवं समृद्ध बनाने की दिशा में हमारी सामूहिक यात्रा का मजबूत आधार बनेगा।

कार्यक्रम में डॉ. स्वतंत्र कुमार सिंह, डॉ. अंकुश किरण निरंजन, डॉ. सुमन संत, डॉ. अनिल कुमार सिंह, डॉ. सुलोचना सेन, डॉ. श्रुति पाण्डेय एवं महाविद्यालय के जन संपर्क अधिकारी, डॉ. बी. के. ओझा की सक्रिय उपस्थिति रही।

वेटरनरी कॉलेज में रन फॉर स्वदेशी

शासकीय वेटरनरी कॉलेज में युवा दिवस पर रन फॉर स्वदेशी कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कॉलेज परिसर से कुठुलिया तिराहे तक दौड़ का आयोजन हुआ। तत्पश्चात कोठी कंपाउंड स्थित शिव मंदिर से लेकर स्वामी विवेकानंद पार्क तक जागरूकता रैली निकाली गई। कार्यक्रम में कॉलेज के छात्रों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस दौरान अधिष्ठाता डॉ अजीत प्रताप सिंह, शिक्षक डॉ स्वतंत्र सिंह, डॉ सुलोचना सेन, डॉ बीके ओझा, डॉ सुमन संत सहित उपस्थित रहे।

DEAN
College of Veterinary Science & Animal Husbandry
Rewa (M.P.)